PPMN

सहयोग आपका प्रयास हमारा

परिष्कार पत्रिका

प्रगति की ओर

जयपुर सहित, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, ब्यावर, जोधपुर, बानसूर, अलवर, कोटपूतली, बहरोड़, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, कानोता, बस्सी, नीम का थाना, रींगस, सीकर, कोटा, शिवदासपुरा, भीलवाड़ा, अहमदाबाद, बीकानेर, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश में प्रसारित

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

जरूरी सूचना
यदि आपके पास परिष्कार पत्रिका डाक से आता है और हर माह की 10 व 25 तारीख को पाबंदी से नहीं आ रहा है, तो अपने पोस्टमास्टर या डाकिए से हमारी बात कराएं या सूचित करें। इसका निश्चित रूप से समाधान निकलेगा।
सम्पर्क करें 9314407796

पोस्टल रजि. Jaipur City/ 240/ 2021-23 पाक्षिक (हिन्दी राष्ट्रीय) मूल्य 2 रूपए

विशेषांक

E-Mail : parishkarpatrika@gmail.com

वर्ष - 22 अंक 4 जयपुर: 23 सितंबर 2023 से 7 अक्टूबर 2023 RNI No : RJHIN/2002/9810 वार्षिक सदस्यता 251 रूपए

जयपुर शहर के लिए सौगातों का दिन-प्रदेश के चहुंमुखी विकास के लिए समर्पित होकर कर रही राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

जयपुर मेट्रो के फेज 1-सी सहित 1410 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास

परिष्कार पत्रिका जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार जयपुर सहित पूरे प्रदेश के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी सहित सभी क्षेत्रों में राजस्थान एक मॉडल स्टेट बनकर उभरा है और देशभर में राजस्थान के विकास कार्यों की चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को देश के अग्रणी राज्यों में शामिल करने के लिए मिशन-2030 के तहत विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। जिसके लिए अब तक 2 करोड़ से अधिक लोगों से सुझाव लिए जा चुके हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे इस विजन डॉक्यूमेंट को तैयार करने में अपनी भागीदारी निभाते हुए सुझाव दें। गहलोत गुरूवार को 1410 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास-लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने जयपुर में महत्वपूर्ण मेट्रो परियोजना के 980 करोड़ रुपये लागत के फेज 1-सी का शिलान्यास तथा जेडीए के लगभग 430 करोड़ रुपये लागत के 9 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने रामनगर मेट्रो स्टेशन से बड़ी चौपड तक मेट्रो से यात्रा की। उन्होंने कहा कि मेट्रो के सफर का अपना अलग आनंद है। उन्होंने बड़ी चौपड़ मेट्रो स्टेशन पर जयपुर मेट्रो योजना पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने लक्ष्मी मंदिर तिराहे पर 7 स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्तियों का अनावरण किया। साथ ही, कार्यक्रम के दौरान गहलोत ने राजीव आवासीय योजना बगराना के आवास धारकों को पट्टे भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास में कोई कमी नहीं रखी है। राज्य में हुए बेमिसाल कार्यों का दूसरे राज्य भी अनुसरण कर रहे हैं और राजनीतिक दल इन्हें अपने मेनिफेस्टो में शामिल कर रहे हैं। राजस्थान में राइट टू हैल्थ, किसानों की जमीन को कुर्की से रोकने, गिग वर्कर्स के कल्याण, न्यूनतम आय गारंटी से संबंधित कानून बनाए गए हैं, जो देश में अनत्र कहीं नहीं हैं। राज्य में पेपरलीक करने पर आजीवन कारावास का सख्त प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि कोटा में चंबल रिवर फ्रंट का अद्भुत कार्य हुआ है। जयपुर में भी विकास के कई कार्य हुए हैं। कोटा शहर की तर्ज पर अब जयपुर को भी सिग्नल फ्री करने पर काम चल रहा है। हमारी सोच 2030 तक पूरे प्रदेश को ट्रैफिक लाइट मुक्त करने की है।

गहलोत ने कहा कि यह पहली बार है जब राज्य के हर व्यक्ति को योजनाओं का कुछ न कुछ लाभ जरूर मिला है। राज्य सरकार ने महंगाई राहत शिविर लगाकर 10 जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन को राहत प्रदान की। राज्य में 500 रुपए में गैस सिलेण्डर दिया जा रहा है। केन्द्र सरकार को भी देशभर में 500 रुपए में गैस

सिलेण्डर उपलब्ध करवाना चाहिए। उन्होंने कहाकि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना से प्रदेश में अब शहरी क्षेत्रों में भी लोगों को रोजगार दिया जा रहा है। लंपी रोग से मृत गायों के लिए पशुपालकों को प्रति गाय 40 हजार रुपए की आर्थिक सहायता दी गई। साथ ही, कामधेनु पशु बीमा योजना के माध्यम से अब राज्य सरकार द्वारा प्रति परिवार दो दुधारू पशुओं का 40-40 हजार रुपए का निःशुल्क बीमा किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के कुशल वित्तीय प्रबंधन से राजस्थान आर्थिक विकास दर में उत्तर भारत में प्रथम स्थान पर तथा देश में दूसरे स्थान पर है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक राज्य की जीडीपी 15 लाख करोड़ हो जाएगी। जबकि 2030 तक इसे 30 लाख करोड़ से अधिक ले जाने का हमारा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया है। इससे आने वाले समय में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। राज्य में जिलों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है। इससे लोगों की प्रशासन तक पहुंच आसान होगी। जयपुर में भारत जोड़ो सेतु, राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, सिटी पार्क आदि का निर्माण किया गया है। वहीं, आईपीडी टॉवर का कार्य भी निर्माणाधीन है। सेटेलाइट अस्पताल बनने से सवाई मानसिंह अस्पताल पर भार कम होगा।

गहलोत ने कहा कि राज्य में लगभग 1 करोड़ लोगों को न्यूनतम 1 हजार रुपए पेंशन दी जा रही है। पूर्ववर्ती केन्द्र सरकार ने कानून बनाकर शिक्षा, सूचना, खाद्य सुरक्षा तथा महात्मा गांधी नरेगा के तहत आमजन को रोजगार का अधिकार दिया। वर्तमान केन्द्र सरकार को भी इसी तर्ज पर कानून बनाकर देश के हर परिवार को सामाजिक सुरक्षा देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी को भी राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा दिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इसका वादा किया था जिसे अब भुला दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने बड़ी चौपड़ से रामगंज के रास्ते ट्रांसपोर्ट नगर तक (2.85 किमी) फेज 1 सी का शिलान्यास किया। 980 करोड़ रुपये की लागत के इस फेज से दिल्ली रोड और आगरा रोड से जयपुर चारद. ारी को सीधी और सुगम कनेक्टिविटी मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व की बात है कि जयपुर में मेट्रो का विस्तार हो रहा है। सीतापुरा से अम्बाबाड़ी तक मेट्रो का सैकण्ड फेज जल्द पूरा करना हमारा लक्ष्य है। गहला. त ने कहा कि दुनिया भर में सरकारों द्वारा परिवहन को लेकर सामाजिक दायित्व निभाया जाता है। इसमें लाभ या हानि नहीं देखी जाती। आज प्रतिदिन 50 हजार से अधिक यात्री जयपुर मेट्रो में सफर करते हैं। देश के दूसरे बड़े शहरों में जब मेट्रो नहीं थी तब वर्ष 2009 में हमने जयपुर मेट्रो की आधारशिला रख दी थी। रिकॉर्ड समय में इसका कार्य भी पूरा कर लिया गया था।

नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जयपुर में लगभग 2 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहां के स्थापत्य व संस्कृति को सहेजते हुए सौन्दर्यीकरण व विकास के कार्य करवाए जा रहे हैं। जयपुर में 7 व्यस्ततम चौराहों को सिग्नल फ्री किया जाएगा, जिसकी शुरूआत आज लक्ष्मी मंदिर तिराहा से हुई है।

इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री डॉ. महेश जोशी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास, पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री गोविंदसिंह डोटासरा, राजसिको चेयरमेन राजीव अरोड़ा, राजस्थान विप्र बोर्ड अध्यक्ष महेशशर्मा, विधायक रफीक खान, गोपाल मीणा, गंगा देवी, जयपुर हेरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर, राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के निदेशक एन सी गोयल, प्रमुख सचिव यूडीएच टी. रविकांत, जेडीए आयुक्त जोगाराम, शासन सचिव स्वायत्त शासन विभाग केसी मीणा एवं जेडीए सचिव नलिनी कठोतिया सहित अन्य जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जयपुर को मिली नई सौगात

गांधीजी की अमूल्य विरासत को संरक्षित करती गांधी वाटिका का उद्घाटन

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने किया उद्घाटन - 85 करोड़ रुपए की लागत से बनी गांधी वाटिका

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा सांसद राहुल गांधी एवं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार शाम जयपुर के सेंट्रल पार्क में बनी 'गांधी वाटिका' का लोकार्पण किया। गहलोत ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में देश में गांधी दर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार ने महात्मा गांधी के

विचारों व मूल्यों से नई पीढ़ी को रूबरू करवाने के लिए यह अभिनव पहल की है। गहलोत गांधी वाटिका के लोकार्पण के बाद देशभर से आए 200 से अधिक प्रख्यात गांधीवादियों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान खड़गे, राहुल गांधी एवं मुख्यमंत्री ने गांधी वाटिका का अवलोकन किया तथा वहां आयोजित प्रार्थना सभा में शामिल हुए।

जन-जन तक पहुंचेंगे गांधीजी के विचार : खड़गे ने कहा की गांधीजी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की यह पहल सराहनीय है। अन्य राज्यों को भी इसका अनुसरण करना चाहिए। आज के दौरमें जब वैश्विकस्तर पर लोकतंत्र पर प्रहार हो रहे हैं, ऐसे संस्थान एक आशा की किरण के रूप में देश को एक नई दिशा देने का कार्य करते हैं। आज हम सबको मिलकर गांधी के आदर्शों को जीवित रखना है।

डर का सामना करने की सीख : राहुल गांधी ने कहा कि गांधीजी को एक व्यक्ति के रूप में ना देखकर जीवन जीने के तरीके के रूप में देखना चाहिए। जीवन में भय का स्थान नहीं होना चाहिए। आज की युवा पीढ़ी को गांधीजी के जीवन से डर का सामना करने की सीख लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की आवश्यकताएं सीमित होने पर अहंकार भी समाप्त हो जाता है। उन्होंने कहा कि कोई भी परिस्थिति स्थाई नहीं होती और साहस के साथ उसका मुकाबला करने से बदलाव जरूर आता है। आज गांधीजी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा गौरवशाली भारत के निर्माण के लिए बताए गए मार्ग के अनुसरण की आवश्यकता है। इस दौरान गांधी ने देश के कोने-कोने से आए गांधी विचारकों का नवीन पीढ़ी में गांधी दर्शन के संचार हेतु किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।

गांधी वाटिका से संरक्षित होगी राष्ट्रपिता की विरासत : सेंट्रल पार्क में 85 करोड़ रुपए की लागत से बनी गांधी वाटिका की विषय वस्तु गांधीवादी विचारकों की समिति के मार्गदर्शन में तैयार की गई है। वाटिका के भूतल पर अंग्रेजों के भारत आगमन से लेकर गांधीजी के दक्षिण अफ्रीका प्रवास तक के कालखंड को 5 हिस्सों में अंकित किया गया है। वहीं प्रथम तल पर गांधीजी के भारत में अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलनों एवं उनके दर्शन को प्रदर्शित किया गया है। द्वितीय तल पर विशेष पुस्तकालय, सेमिनार हॉल एवं कॉन्फ्रेंस कक्ष निर्मित किए गए हैं। कॉन्फ्रेंस कक्ष को क्रमशः 'राजस्थान ने पकड़ी गांधी की राह', 'गांधी अपने आइने में मैं' एवं 'गांधीजी के सपनों का संसार' तीन खंडों में बांटा गया है। भवन निर्माण में सादगी एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु विशेष रूप से मिट्टी की दीवारें तैयार की गई हैं। वाटिका में केलू की छत लगाई गई है। साथ ही, वाटिका में 14 हजार पेड़-पौधे लगाए गए हैं। वाटिका में कैफेटेरिया, खुला नाट्यमंच, विमर्शकक्ष जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद के.सी. वेणुगोपाल, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा, गांधी पीस फाउंडेशन के अध्यक्ष कुमार प्रशांत, पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री गोविंद सिंह डोटासरा, मुख्य सचिव उषा शर्मा सहित मंत्रिपरिषद् के सदस्य, विधायकगण एवं उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान को लोकार्पण

विचारों के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण केन्द्र बनेगा कॉन्स्टीट्यूशन क्लब

परिष्कार पत्रिका जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान में केवल घोषणाएं नहीं हुई हैं, बल्कि उन्हें प्रभावी रूप से लागू भी किया गया है। राज्य में गुड गवर्नेंस का शानदार माहौल बना है। यह पहली बार है, जब राज्य सरकार की योजनाओं की पूरे देश में चर्चा हो रही है। राजस्थान मॉडल स्टेट के रूप में उभरा है। इसी क्रम में हमने मिशन-2030 के तहत विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने की शुरूआत की है। इसका उद्देश्य प्रदेश की तरक्की और खुशहाली के लिए आम लोगों के सुझाव लेना है। अब तक 2 करोड़ से अधिक सुझाव ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त हो चुके हैं, जो इसे लेकर प्रदेशवासियों के जज्बे को जाहिर करता है। गहलोत शुक्रवार शाम विधानसभा के पास स्थित विधायक नगर (पूर्व) की भूमि पर निर्मित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के लोकार्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार के बीच कॉन्स्टीट्यूशन क्लब का उद्घाटन किया। उन्होंने एचसीएम रीपा में बनने वाले ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट का शिलान्यास किया तथा विधान सभा मेंहुई विभिन्न गतिविधियों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिंतन-मनन से हमेशा लाभ मिलता है, इससे नए विचार सामने आते हैं तथा देश-प्रदेश की तरक्की का मार्ग प्रशस्त होता है। दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लबकी तर्ज पर निर्मित यह कॉन्स्टीट्यूशन क्लब इस दिशा में एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एक के बाद एक कई महत्वपूर्ण संस्थान स्थापित हो रहे हैं, जिनमें कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, महात्मागांधी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशलसाइंसेज, गांधीम्यूजियम, फिनटेक यूनिवर्सिटी आदि शामिल हैं।

प्रकाशन के लिए अपने संदेश भेजें या मेल करें -

संपादक, परिष्कार पत्रिका, रजि. कार्यालय : प्लाट नं. 89, संतोषनगर, अजमेर रोड़, जयपुर-6

ब्रांच ऑफिस : शॉप नं 2, प्लाट नं 36 भैरव नगर, ईएसआई के पास, हटवाड़ा रोड़, जयपुर-06
मो : 9314407796, 9351311820
parishkarpatrika@gmail.com

PRIME TRACK

शायर सिंह किरार
ट्रैकोन कोरियर प्रा. लि.

Trackon
Couriers Pvt. Limited

अपने प्रियजनों को भेंजे संदेश या उपहार, घर बैठे कोरियर पिकअप और डिलीवर के लिए हमसे सम्पर्क करें -

शॉप नं. 2, प्लाट नं.36, भैरव नगर, हटवाड़ा रोड़, जयपुर [राजस्थान]
मो. नं. 8561888504, 6350176413, 9314407796

सम्पादकीय

भारतीय संसद भवन के इतिहास में श्रीगणेश चतुर्थी के शुभ दिन नए अध्याय का श्रीगणेश हो चुका है। पुराने संसद भवन में कामकाज की शुरूआत 18 जनवरी 1927 को हो गई थी और 96 साल बाद 18सितंबर 2023 को यह भवन इतिहास बन गया। इसी दिन से यह पुराना संसद भवन अब संविधान सदन कहलाएगा। यह भवन सदैव गर्व का विषय और प्रेरणादायी विरासत बना रहेगा। है। राजस्थान प्रदेश में भी विभिन्न योजनाओं के अर्न्तगत विकास के नए आयाम स्थापित किए गए हैं। भारत जोड़ो सेतु, राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, सिटी पार्क आदि का निर्माण के बाद अब कॉन्स्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के लोकार्पण और जयपुर के सेंट्रल पार्क में बनी 'गांधी वाटिका' का लोकार्पण किया। प्रदेशवासियों जिसका भरपूर लाभ मिलेगा। इससे देश–प्रदेश की तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा। समाज का विकास हो देश का विकास निश्चित है। सामाजिक परिवर्तन में एकशक्तिशाली उपकरण के रूप में उद्यमिता की मान्यता पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उद्यमिता ने केवल आर्थिक मूल्य सृजित करती है बल्कि यह लोगों को अपने अधिकारों का प्रयोग करने और पारंपरिक मानदंडों से मुक्त होने के लिए सशक्त भी बनाती है। उद्यमिता के प्रोत्साहन का यह दृष्टिकोण उस समावेशी विकास के इर्द–गिर्द घूमता है, जहां कोई भी पीछे नहीं छूटे और सभी नागरिकों, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या सामाजिक हैसियत कुछ भी हो, को अवसर समान रूप से सुलभ हो। विभिन्न रणनीतिक पहलों एवं अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार का उद्देश्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाने और उनकी क्षमता को सामने लाते हुए देश को व्यापक विकास की ओर ले जाना हैं। जब नागरिक आर्थिक रूप से मजबूत होगा तो देश में खुशहाली का माहौल बनेगा।

जय हिन्द। जय भारत।।

श्याम नगर विकास समिति जिला स्तरीय भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित

परिष्कार पत्रिका जयपुर। जयपुर जिला स्तरीय भामाशाह पुरुस्कार 2023 समारोह का आयोजन अर्चना शर्मा, अध्यक्ष समाज कल्याण बोर्ड के मुख्य आतिथ्य में आज संपन्न हुआ। जयपुर जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय प्रारंभिक शिक्षा जगदीश नारायण मीणा ने बताया कि जयपुर शहरी क्षेत्र से 11 और जयपुर ग्रामीण क्षेत्र से 31 भामाशाहों का सरकारी विद्यालयों को शैक्षिक, सह शैक्षिक और भौतिक विकास में सहयोग हेतु देने पर प्रशस्ति पत्र, शाल, श्रीफल देकर सम्मानित किया गया । इस समारोह का एक अनूठा पहलू यह रहा कि अब जिले में स्थित विकास समितियां भी सरकारी विद्यालयों के भौतिक विकास में सहयोग हेतु आगे आ रही है। इसी क्रम में श्याम नगर विकास समिति के अध्यक्ष प्रदीप गुगलिया के विशेष प्रयासों से समिति को सोडाला स्थित राजकीय विद्यालय के शैक्षिक, सह शैक्षिक और भौतिक विकास में सहयोग हेतु आज समारोह में भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य हो कि भामाशाह सम्मान से सम्मानित होने वाली श्याम नगर विकास समिति जिले की इकलौती समिति है। श्याम नगर विकास समिति की टीम एवं टीम मेम्बर प्रदीप गुगलिया अध्यक्ष, प्रवीण बॉंटिया मेघसिंह महेश घिया प्रवीण जैन कपिल अग्रवाल संतोष सचान गोपाल नारायण माथुर राहुल भोजक मुकेश माथुर पूरी टीम जिला स्तरीय सम्मान मिला।

रेवड़ी कल्चर कहना गरीबों का अपमान : ओझा

आमजन को सत्ता तंत्र के भ्रमजाल से सावधान रहना होगाः डॉ कुसुम

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजनीति की अवधारणा में नीति प्रमुख है और उसकी एक आचार संहिता है जिसमें प्रजा का मंगल और उसका कल्याण निहित है लेकिन धीरे–धीरे नीति गौण हो गई और राजनीति में विकृतियां आ गई। मतदाताओं के साथ वायदे और सुविधाओं की घोषणा विवशता बन गई। इसी से राजनीति का पराभव, भ्रष्टाचार, भाई–भतीजावाद और सामाजिक विश्रृंखलता का रूप सामने आ रहा है।

मुक्त मंच जयपुर की 73वीं मासिक बैठक में यह विचार प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. नरेंद्र शर्मा कुसुम ने जन कल्याण और रेवड़ी कल्चर विषय पर अध्यक्षीय संबोधन में व्यक्त किए। शब्द संसार के अध्यक्ष श्रीकृष्ण शर्मा के संयोजन में यह संगोष्ठी हुई। डॉ. कुसुम ने कहा कि आमजन को सत्ता तंत्र के वायदों और भ्रमजाल के प्रति सजग रहकर लोकतंत्र की अस्मिता को बचाना होगा। शिक्षा, समाज सेवा, धर्म में ऊंचे उद्देश्य लेकर चलने वाले व्यक्ति इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं अन्यथा रेवड़ियां बांटने वालों की स्वार्थपूर्ति होती रहेगी।

मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी अरुण ओझा ने कहा कि हमारे देश में दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले सामाजिक सुरक्षा बहुत कमजोर है। हमारे यहां विकास की दिशा भ्रांतिमूलक है जिससे अमीर अधिक अमीर और गरीब अधिक गरीब हो गया है। ऐसा विकास अर्थहीन है। रेवड़ी कल्चर कहकर हम गरीबों का अपमान कर रहे हैं। वरिष्ठ इंजीनियर और चिंतक दामोदर प्रसाद चिरानिया ने कहा कि समय–समय पर राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बच्चों को मुफ्त भोजन, जनता को सोने के सिक्के, टीवी, घरेलू सामान बांटने शुरू किए जो आज विविध प्रलोभनों तक पहुंच गई। अतः इसकी कोई सुदृढ़ नीति बननी चाहिए। डॉ. मंगल सोनगरा ने कहा कि हमारे संविधान में बेहतर शिक्षा, मुफ्त शिक्षा, सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं के संकेत मौजूद हैं। शालिनी शर्मा ने कहा कि सरकार जनता को जो भी सुविधाएं दे रही है वे राजकोष से देती है। कोई अपनी जेब से तो खर्च नहीं करता। बैंकर और स्वतंत्र चिंतक इन्द्र भंसाली ने कहा कि राजनेताओं के छल–छद्म से नागरिकों में रेवड़ी कल्चर से मुफ्तखोरी की प्रवृत्ति बढ़ी है। हमें राजनेताओं के लुभाने वाले कर्मकांडों से सावधान रहने की जरूरत है, तभी लोकतंत्र की साख बच सकेगी। प्रतिष्ठित व्यंग्यकार कवि फारूक आफरीदी ने कहा कि जनकल्याण संविधान की आत्मा है। सरकारों का दायित्व है कि वे गरीब, वंचित, पिछड़े तबकों के लिए काम करें। रेवड़ी कल्चर एक फूहड़ अवधारणा है। वित्तीय विशेषज्ञ एवं कथाकार आरके शर्मा ने कहा कि वंचितों को ऊपर उठाने के लिए कल्याणकारी योजनाओं की महती आवश्यकता है। इसे सही रूप में लागू किया जाए। संगोष्ठी में स्तम्भकार ललित शर्मा, आईएएस (रि.) विष्णुलाल शर्मा, डॉ. सुषमा शर्मा, पत्रकार अनिल यादव, व्यंग्यकार यशवंत कोठारी, समाजसेवी लोकेश शर्मा, उद्यमी रमेश कुमार खंडेलवाल, कवि कल्याण सिंह शेखावत, मीडिया कर्मी अरुण ठाकुर, अनन्त कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आमजन के जीवन को सरल और सुगम बनाना सरकार का दायित्व है। परम विदुषी परमहंस योगिनी डॉ. पुष्पलता गर्ग ने मनुर्भव का शाश्वत संदेश मानवता के लिए आवश्यक बताया और समाज में नैतिकता को मानवता के लिए आवश्यक बताया।

शुद्ध मन से क्षमा याचना से मन शुद्ध होता है : कुलपति प्रो. दूगड़

समारोह पूवर्क मनाया क्षमापना दिवस

परिष्कार पत्रिका। जैन विश्वभारती संस्थान के महाप्रज्ञ सभागार में समारोह पूर्वक पर्युषण महापर्व के अंतिम दिवस क्षमापना पर्व के रूप में मनाया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने कहा कि जैन धर्म में पूर्ण आत्मिक पर्व के रूप में मानाया जाने वाला यह पर्व जीवन में बैर भाव को नष्ट कर मैत्री को बढाने वाला है। उन्होंने कहा कि यह दिन प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी है। शुद्ध मन के साथ परस्पर क्षमा याचना करने से मन शुद्ध होता है, वही आत्मिक विकास का द्वार खुलता है। प्रो. दूगड़ ने संसार के सभी प्राणियों के साथ मैत्री की भावना रखने का संदेश देते हुए कहा क्षमा मांगना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी क्षमा प्रदान करना भी है।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. दूगड़ ने उपस्थित विश्व. विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को एक–दूसरे से क्षमायाचना करने की प्रेरणा देते हुए स्वयं ने भी सभी से शुद्ध मन से क्षमायाचना की। इससे पूर्व सस्थान के विशेषाधिकारी प्रो. नलिन के. शास्त्री ने वर्षभर के दौरान जाने–अनजाने में हुई गलतियों के लिए सृष्टि के समस्त प्राणियों से हाथ जोड़कर क्षमायाचना करते हुए सभी से 'मिच्छामी दुक्कड़म'कहकर क्षमायाचना की। दूरस्थ शिक्षा निद. `शालय के निदेशक व आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि यह पर्व केवल जैन समाज ही नहीं बल्कि विश्व के सभी लोगों के लिए प्रेरणा प्रदान करने वाला है।

आपके लिए.....

प्रेरणा–सूत्र

डेंजिल नाजरथ
न्यूज कॉर्डिनेटर परिष्कार न्यूज एवं नेशनल मोटिवेशनल स्पीकर

परिष्कार पत्रिका जयपुर। जिंदगी कहती है कि जब चारों तरफ परेशानियों से घिरे हों, सभी तरफ के रास्ते बंद दिखाई दे और अंधकार नजर आने लगें तो परमात्मा पर भरोसा रखें। शायद बाहर जबरदस्त तूफान है जिसमें ईश्वर तुम्हें बंद कर बचाना चाहता हैं।

:: जिंदगी कहती है कि कम बोलना, धीरे बोलना, मधुर बोलना, जरूरत पर बोलना और जरूरत का बोलना अपने आपको ऊर्जावान, सार्थक और सवहितैषी बनाए रखने के आवश्यक तत्व है।

:: जिंदगी कहती है कि रिश्तों में हटधर्मिता जब चरम पर हो तो गांठ पड़ना स्वाभाविक है, गांठ अगर पड़ जाए तो स्वयं ही गांठ खोल, दूसरे तो गांठ को और जटिल कर देंगे, फिर वह कभी खुलेगी ही नहीं।

:: जिंदगी कहती है कि प्रभु कभी किसी का भाग्य नहीं लिखते हैं, प्रभु तो उन लोगों का साक्षात गवाह बनते हैं जो सद्कर्म और ईमानादारी से अपना भाग्य लिखते हैं।

:: जिंदगी कहती है कि कोई किसी को छोड़कर पछताता है तो कोई किसी को जोड़कर पछताता है ये दोनों ही स्थितयां अविवेकशीलता के कारण होती है, सही के आंकलन के लिए आपके पास विवेक जैसी अनमोल विरासत है।

:: जिंदगी कहती है कि बदले की भावना से आप कभीनहीं बदलेंगे, खुद में सकारात्मक बदलाव ही आपको बदलेगा एक इंसान के रूप में। इसलिए बदला नहीं स्वयं से बदलाव करें।

विशाल यादव बने अहीर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष

परिष्कार पत्रिका जयपुर। अखिल भारतीय अहीर महासभा के संस्थापक आशुतोष अहीर ने शहर के युवा व्यवसायी व भाजपा नेता विशाल यादव को संगठन का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया। जिसके बाद संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल बाबू राय, राष्ट्रीय महिला मोर्चा अध्यक्ष मंजूलता यादव, राष्ट्रीय महासचिव गया प्रसाद यादव, राष्ट्रीय संगठन मंत्री राघव सिंह यादव और राष्ट्रीय महासचिव धर्मवीर लांबा ने विशाल यादव को नवीन दायित्व की शुभकामना भी दी। इस दौरान विशाल यादव ने कहा कि समाज के महत्वपूर्ण व ज्वलंत मुद्दों पर एकजुट होकर काम करेंगे। साथ ही समाज के युवाओं को एक कर राष्ट्र हित में कार्य करने का कार्य भी करेंगे।

राष्ट्रीय मीडिया कॉन्फ्रेन्स की कार्य योजना एवं संकल्प पत्र

पांच दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन का आयोजन शान्तिवन परिसर आबूरोड़ में किया

परिष्कार पत्रिका जयपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा पांच दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन जो कि 8 से 12 सितंबर 2023 तक शान्तिवन परिसर में आयोजित किया गया। महासम्मेलन का मुख्य विषय था वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए सशक्त मीडिया। मीडिया प्रभागए राजयोग शिक्षा और अनुसंधान फाउंडेशन के सहयोग से राजस्थान के आबूए तलहटी में स्थित ब्रह्माकुमारीज शांतिवन परिसर में आयोजित किया गया। इस महासम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मीडिया के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श, चर्चा एवं मन्थन करना था।

इस मीडिया महासम्मेलन में जनसंचार पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क से संबंधित अलग–अलग ओहदे पर कार्यरत प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल, सोशल मीडिया एवं वेब आधारित पत्रकारिता के साथ–साथ मीडिया सलाहकारों, शिक्षाविदों, सम्पादकों, उप–सम्पादकों, स्वतन्त्र पत्रकारों और जनसंपर्क क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 1,500 से अधिक मीडिया पेशेवरों ने परिवार सहित व्यक्तिगत रूप से लाभ उठाने और पेशेवर रूप से स्वयं को अपडेट करने के लिए इस सम्मेलन में भाग लिया है। इस सम्मेलन में, मीडिया और आध्यात्मिकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों के विशेषज्ञ, वक्ताओं और प्रबुद्धजनों ने अलग–अलग विषयों पर अपने विचार साझा किये जो इस प्रकार हैं। समाज पर सोशल मीडिया का प्रभाव, आन्तरिक शान्ति बनाये रखना, सकारात्मक परिवर्तन के लिए मीडिया पेशेवरों का आन्तरिक सशक्तिकरण, वैश्विक सद्भाव के लिए शान्ति आधारित पत्रकारिता, विभिन्न प्रकार की मीडिया में नैतिक संतुलन की आवश्यकता एवं शान्ति और सद्भाव के लिए आध्यात्मिक ज्ञान–मीडिया की भूमिका जैसे विषयों एवं दो अंतर्दृष्टि सत्रए पांच ध्यान सत्र और दो पूर्ण सत्र सहित 13 अलग–अलग सत्रों का समानान्तर संचालन किया गया।

इस महासम्मेलन में चिन्तन–मनन–मन्थन, विचार–विमर्श एवं चर्चा के बाद निम्नलिखित प्रस्तावों को सर्व सम्मति से अपनाने के लिए सभी के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। 1. मीडिया का कर्तव्य केवल सूचना–समाचार रिपोर्ट करना ही नहीं है, बल्कि स्वयं को समझने–समझाने और दुनिया में शांति स्थापित करने के लिए नैतिक मूल्यों का संतुलन स्थापित करने की दिशा में काम करने का दायित्व लेने की जिम्मेदारी पर भी ध्यान देना है।

2. मीडिया का उद्देश्य राष्ट्र–समाजकी सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ–साथ देश, समाज और समुदाय में सौहार्द्र एवं सद्भाव लाने में एक प्रखर प्रहरी की भूमिका निभाना है।

3. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मीडिया विंग वैश्विक सद्भाव के लिए प्रेमए स्नेहए शांति आधारित पत्रकारिता के उद्देश्य को पूरा करने में मीडिया पेशेवरों, पत्रकारों एवं मीडिया शिक्षकों, जन–सम्पर्क कर्मियों को सार्थक समर्थन और सशक्त बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रयास जारी रखेगा।

4. भारत द्वारा आयोजित जी.20 शिखर सम्मेलन की उच्च. स्तरीय सफलता से प्रेरणा लेते हुए और विश्व की सार्वभौमिक राय को भारत के रास्ते शांति की दिशा में अग्रसर होकर सहयोग करना है।

5. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का मुख्य उद्देश्य स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मीडिया कर्मियों को आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाने में सहयोग करते हुए राजयोग आधारित शिक्षा एवं आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनाना है ताकि वे हमारे समाज के कल्याणए सुख.समृद्धि और खुशी के लिए खुद को समर्पित कर सकें।

6. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का ध्येय यह सुनिश्चित करना भी है कि मीडिया अपनी भूमिका सच्चाईए तथ्यात्मक और निष्पक्षता के साथ निभाने के लिए मीडिया कर्मियों को सशक्त करना है। इस मीडिया महासम्मेलन में सर्व सम्मति से यह संकल्प लिया जा रहा है कि समाज को बेहतरए शान्तिमय बनाने और मानवता आधारित व्यवहार को स्थापित करने और शांति को चुनना समय की मांग है।

7. चूंकि वर्तमान दौर में सोशल मीडिया का विकास तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए यह संकल्प पारित किया जा रहा है कि गलत सूचना, तथ्य विहीन, दुष्प्रचार एवं सस्तीलोकप्रियता को रोककर समाज के भीतर प्रेम–स्नेह एवं सौहार्द्रपूर्ण मानवीय संबंधों को मजबूत बनाए रखने के लिए स्व–विनियमन करेगा एवं आत्म–अवलोकन और जिम्मेदारी, जवाबदेहीपूर्ण व्यवहार आचरण में लाना होगा। सर्वसम्मति से इस संकल्पपत्र को आपके सहयोग–समर्थन के लिए आपके समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

इससे पूर्व 2023 मीडिया सम्मेलन की मेजबानी ब्रह्माकुमारीज ने अपने विशाल शांतिवन में की राजस्थान के आबू रोड स्थित कैम्पस ने अपना समापन सत्र आयोजित किया। वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए सशक्त मीडिया सम्मेलन में मीडिया ने भाग लिया संपादकों, प्रोफेसरों और प्रिंट, टीवी, सोशल मीडिया के विशेषज्ञों सहित कार्मिक देश के विभिन्न हिस्सों और नेपाल से पहुंचे। सम्मेलन में उपस्थित लोग शामिल हुए समाज पर सोशल मीडिया का प्रभाव, वैश्विक स्तर पर शांति पत्रकारिता जैसे विभिन्न

विषयों की खोज सद्भाव, मीडिया में नैतिक संतुलन की आवश्यकता और शांति और सद्भाव के लिए आध्यात्मिक ज्ञान। सत्र की शोभा वरिष्ठ राजयोग शिक्षक ने बढ़ाई। विश्व प्रसिद्ध प्रेरक वक्ता बहन. बी.के. शिवानी जिन्होंने दर्शकों को वर्तमान समय की पुकार पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया–बनने के लिए विश्व के लिए लाइट हाउस और माइट हाउस। जैसे हम अपने शारीरिक आहार पर ध्यान देते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें अपने भावनात्मक आहार पर अधिक ध्यान देना चाहिए। हम जो सुनते हैं, पढ़ते हैं और देखते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारा भावनात्मक आहार बन जाता है और मीडिया के रूप में आप इस आहार को समाज को परोसते हैं। दुनिया में, विशेषकर युवाओं में, मानसिक स्वास्थ्य संकट को रेखांकित करते हुए उन्होंने आह्वान किया। मीडिया इस संकट से निपटने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहा है। यदि आप सही सामग्री बनाते हैं, यानी परोसते हैं। पौष्टिक आहार, यह उस आहार का सेवन करने वालों की मानसिक शक्ति का निर्माण करेगा, यह बनाएगा। उन्होंने कहा, वे शक्तिशाली हैं और जीवन की जिम्मेदारी लेने में सक्षम हैं। इसके लिए सबसे पहले मीडिया का होना जरूरी है। खुद को सशक्त बनाएं – उन्होंने सुझाव दिया कि वे प्रत्येक दिन की शुरुआत 30 मिनट के सेवन से करें। आध्यात्मिक सामग्री. उन्होंने कहा कि यह कहना कि समय नहीं है स्वयं को धोखा देना है। जब मन होता है। शक्तिशाली, इससे जो विचार सृजित होंगे वे ऊंचे होंगे और इस प्रकार जो सामग्री सृजित होगी, वह उन्नत होगी। क्रियाएँ की गई. उन्होंने कहा, दुनिया को यह उपहार दें, हमारे बच्चों को तनाव, चिंता से बचाएं और अवसाद लाइट और माइट हाउस

बनकर, जो उनका और बाकी समाज का मार्गदर्शन करते हैं, उन्होंने अपील की, हम सब मिलकर एक स्वर्णिम भारत का निर्माण कर सकते हैं। सत्र की अध्यक्षता भाई ने की। डॉ. बी.के. मृत्युंजय, अध्यक्ष, एडु विंग, ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू। सीस किस पर निर्माण। शिवानी ने कहा, उन्होंने महत्व के बारे में बात की मानसिक शक्ति के निर्माण में मूल्य शिक्षा। जबकि हर क्षेत्र में विश्वविद्यालय हैं मीडिया सहित, जिस चीज की कमी थी वह थी नैतिकता, मानवीकरण और किस चीज का आध्यात्मिकीकरण सिखाया जा रहा था, उन्होंने कहा। जब हम लोगों को उनका उत्थान करने में सक्षम बनाकर उन्हें सशक्त बना सकते हैं सोच रहे हैं, तो हम चलते–फिरते प्रकाशस्तंभों और शक्तिशाली स्तंभों का एक समाज बनाएंगे उन्होंने कहा, शांति के दूत और देवदूत। उन्होंने ओवर को धन्यवाद देते हुए अपनी टिप्पणी समाप्त की इस सम्मेलन के आयोजन में उनके प्रयासों के लिए 1500 उपस्थित लोगों के साथ–साथ संपूर्ण मीडिया विंग को धन्यवाद। बहन. बी.के. सरला, राष्ट्रीय समन्वयक, मीडिया विंग, आरईआरएफ, हैदराबाद ने एक कुंजी प्रस्तावित की पूरे सम्मेलन में विभिन्न चर्चाओं के आधार पर कार्य योजना। प्रस्ताव था भाई द्वारा समर्थन किया गया। वाई. बाबजी, पूर्व महासचिव, पीआरएसआई, हैदराबाद, डॉ. कमलेश द्वारा मीना, सहायक. क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू, भागलपुर एवं भाई द्वारा। महादेव स्वामी, प्रबंध निदेशक, जानकी टीवी, मैसूर। इस सत्र में मंच पर अन्य गणमान्य व्यक्तियों में भाई भी शामिल थे। ओमवीर सिंह सैनी (सीनियर मैनेजमेंट) सलाहकार, दादा साहेब फाल्के फिल्म सिटी, मुंबई), भाई। आशीष गुप्ता (प्रबंध निदेशक, रेडियो सरगम 90.8, इंदौर), बहन। बी.के. विजया (सब–जोनल समन्वयक, मीडिया विंग, आरईआरएफ, सिद्धपुर), और भाई। बी.के. अमरचंद (सब–जोनल समन्वयक, मीडिया विंग, आरईआरएफ, आगरा)। इस कार्यक्रम का आयोजन राजयोग शिक्षा और अनुसंधान मीडिया विंग द्वारा किया गया है फाउंडेशन (आरईआरएफ), प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व की एक सहयोगी संस्था है विद्यालय. मीडिया विंग ने आध्यात्मिकता में जनता की रुचि जगाने की चुनौती ली है, जैसा कि राजयोग की शिक्षाओं में पाया जाता है।

दलित आदिवासियों का बजट जनसंख्या के अनुपात में आंवटित व खर्च नहीं करना उन पर अत्याचार

परिष्कार पत्रिका जयपुर। स्वाधिकार, नई दिल्ली, राजस्थान, राष्ट्रीय दलित मानवाधिकार अभियान, नई दिल्ली, दलित आर्थिक अधिकार आन्दोलन, राजस्थान, दलित अधिकार केन्द्र जयपुर, दलितजन सामाजिक न्याय समिति, बार्क जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बजट पूर्व चर्चा व विचार विमर्श बैठक का आयोजन, होटल डिविजे इन, जयपुर में आयोजित किया गया। चर्चा बैठक का उद्देश्य पर हेमन्त मीमरौठ, एडवोकेट, मुख्य कार्यकारी, दलित अधिकार केन्द्र, जयपुर ने प्रकाश डालते हुये कहा कि दलितों का बजट जनसंख्या के अनुपात में आवंटित हो, पूरा दलित आदिवासीयों के विकास के लिए खर्च हो, एक्ट की प्रभावी पालना हो आदि के लिए यह चर्चा व विचार विमर्श बैठक का आयोजन किया गया है, ताकि वर्ष 2024–2025 के बजट में दलितों के साथ आर्थिक अधिकारों से वंचित नही होना पडे। अनुसूचित जाति/जनजाति उप योजना में आवंटित राशि वर्ष 2023–2024 बजट के आंकडों पर विस्तार से पी. पी.टी. के माध्यम से राज्य समन्वयक चन्दा लाल बैरवा, एडवोकेट ने प्रस्तुतीकरण किया। आपने बताया कि बागवानी विकास में, तारबन्दी अनुदान, फल उद्यान की स्थापना महिला सहकारी समिति, सूक्षम लघू और मध्यम उद्यम आदि में जबट नाम मात्र का आवंटित कर दलितों के साथ में धोखा किया है। बैठक में सामाजिक योजनाओं पर पेनलचर्चा की अध्यक्षता जी. एस. सोमावत, पूर्व निदेशक, राजस्थान जनजाति आयोग, जयपुर ने की। जिस पर पेनल सदस्य के रूप में भागचन्द मीणा, पूरण चन्द बैरी, धर्मचन्द खैर, राजस्थान आदिवासी विकास मंच, उदयपुर, आर्थिक विकास की योजनाओं एससी/एसटी एक्ट पर, शैक्षणिक योजनाओं, वाल्मीकी विकास कोष व हाथ से मेला उठाने वाले कर्मियों के नियोजन का प्रतिषेध और उनका पुनर्वास (संशोधन) विधेयक 2020 पर पेनल चर्चा की अध्यक्षता भंवर मेघवंशी, ने की। पेनल सदस्य अंकित आनन्द, पूर्व अध्यक्ष, डिक्की, सतीश कुमार, रैणु सिंह, खूशबू सोलंकी, सतवीर सिंह, पूरणचन्द बैरी, महेन्द्र कुमार आनन्द, नेसार अहमद, प्रकाश हडाले, सदस्य सफाई कर्मचारी आयोग, पवन नकवाल, सफाई कर्मचारी आन्दोलन, राजस्थान, डॉ. महेनद्र कुमार आनन्द, एडवोकेट हेमलता कासोटिया, आदि ने अपने विचार रखे। इस चर्चा बैठक में दलित अधिकार केन्द्र अलवर के जिला समन्वय शैलेष गौतम, अजमेर की जिला समन्वयक इन्दिरा सोलंकी, भरतपुर जिला समन्वयक लालाराम भण्डाना, दौसा जिला समन्वयक सुनीतादेवी बैरवा, दलित आर्थिक अधिकार आन्दोलन, राजस्थान दौसा की प्रेरक द्रोपदी जोनवाल सहित 75 प्रतिभागीयों ने भाग लिया। इस चर्चा बैठक में निम्न सुझाव आये जिससे राजस्थान सरकार को प्रषित कर सुझावो से अवगत करवाया जायेगा। बजट की राशि के लिए जनसंख्या के अनुपात में पर्याप्त मात्रा में बजट आवंटित करने की मांग की गई। गिरधारीलाल बैरवा ने सभी प्रतिभागीयों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आबू रोड़ शांतिवन में आयोजित नेशनल मीडिया कांफ्रेंस

मीडिया कांफ्रेंस में विभिन्न मीडिया पर्सन ने सराहा परिष्कार पत्रिका को

परिष्कार पत्रिका। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा पांच दिवसीय राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन जो कि 8 से 12 सितंबर 2023 तक शान्तिवन परिसर में आयोजित किया गया। महासम्मेलन का मुख्य विषय था वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए सशक्त मीडिया। मीडिया प्रभाग, राजयोग शिक्षा और अनुसंधान फाउंडेशन के सहयोग से राजस्थान के आबू, तलहटी में स्थित ब्रह्माकुमारीज शांतिवन परिसर में आयोजित किया गया। इस महासम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मीडिया के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श, चर्चा एवं मन्थन करना था। इस मीडिया महासम्मेलन में जनसंचार पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क से संबंधित अलग–अलग ओहदे पर कार्यरत प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल, सोशल मीडिया एवं वेब आधारित पत्रकारिता के साथ–साथ मीडिया सलाहकारों, शिक्षाविदों, सम्पादकों, उप–सम्पादकों, स्वतन्त्र पत्रकारों और जनसंपर्क क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 1,500 से अधिक मीडिया पेशेवरों ने परिवार सहित व्यक्तिगत रूप से लाभ उठाने और पेशेवर रूप से स्वयं को अपडेट करने के लिए इस सम्मेलन में भाग लिया।

परिष्कार पत्रिका से सम्पादक रविसिंह किरार और प्रधान सम्पादक हेमलता किरार ने भी इस कांफ्रेंस में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने परिष्कार पत्रिका की कार्यप्रणाली और विभिन्न गतिविधियों से आने वाले पत्रकार बंधुओं को अवगत कराया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रबुद्धजनों ने परिष्कार पत्रिका के एज्युकेशन विशेषांक को विमोचन किया और बधाई दी। इस अवसर पर हेमलता किरार प्रधान संपादक परिष्कार पत्रिका ने सभी का आभार प्रकट किया। इस सम्मेलन में, मीडिया और आध्यात्मिकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों के विशेषज्ञ, वक्ताओं और प्रबुद्धजनों ने अलग–अलग विषयों पर अपने विचार साझा किये जो इस प्रकार हैं। समाज पर सोशल मीडिया का प्रभाव, आन्तरिक शान्ति बनाये रखना, सकारात्मक परिवर्तन के लिए मीडिया पेशेव. रों का आन्तरिक सशक्तिकरण, वैश्विक सद्भाव के लिए शान्ति आधारित पत्रकारिता, विभिन्न प्रकार की मीडिया में नैतिक संतुलन की आवश्यकता एवं शान्ति और सद्भाव के लिए आध्यात्मिक ज्ञान–मीडिया की भूमिका जैसे विषयों एवं दो अंतर्दृष्टि सत्र, पांच ध्यान सत्र और दो पूर्ण सत्र सहित 13 अलग–अलग सत्रों का समानान्तर संचालन किया गया।

स्वच्छता पखवाड़े का नगर निगम ग्रेटर में हुआ आगाज

मानसरोवर जोन में आयोजित हुआ सफाई मित्र सुरक्षा शिविर

परिष्कार पत्रिका जयपुर। नगर निगम जयपुर ग्रेटर द्वारा स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के अंतर्गत स्वच्छता पखवाड़ा के पहले दिन सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन मानसरोवर जोन में ईएचसीसी हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त सीफार संस्था एवं नगर निगम ग्रेटर जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में इण्डियन स्वच्छता लीग 2.0 के तहत भी जगतपुरा जोन के सिटी टू प्लाजा के पास झालाना कुण्डा में स्वच्छता ड्राईव, जागरूकता रैली निकाली गई।मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.रश्मि कांकरिया ने बताया कि मानसरोवर जोन में ईएचसीसी हॉस्पिटल के सहयोग एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. तसलीम खान (गायनेकोलोजिस्ट), डॉ. संजय कुमार (फिजीशियन), उपायुक्त मानसरोवर जोन मुकेश कुमार के निर्देशन में पहले ही दिन 46 सफाई मित्रों एवं अन्य सभी कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच करवाई गई है। उन्होंने बताया कि 21 सितम्बर को मालवीय नगर जोनमें ईएचसीसी हॉस्पिटल द्वारा, विद्याधर नगर जोन व मुरलीपुरा जोन में जयपुर हॉस्पिटल द्वारा 22 सितम्बर को सांगानेर जोन, जगतपुरा जोन में ईएचसीसी हॉस्पिटल व झोटवाड़ा जोन व नगर निगम जयपुर ग्रेटर मुख्यालय में जयपुर हॉस्पिटल द्वारा सफाई मित्र षिविर लगवाया जायेगा। इण्डियन स्वच्छता लीग 2.0 के तहत सीफार संस्था एवं नगर निगम ग्रेटर जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में जगतपुरा जोन के वार्ड संख्या 113 सिटी टू प्लाजा के पास झालाना कुण्डा में स्वच्छता ड्राईव, रैली का आयोजन किया गया। नगर निगम ग्रेटर जिला प्रबंधन डे–एनयू एलएम एवं सीफार संस्था की ओर से मधु चौहान एवं दिव्या राणा द्वारा स्वच्छता ड्राईव, रैली का आयोजन किया गया। स्वच्छता ड्राईव, रैली के माध्यम से आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया जिसके तहत गीले एवं सूखे कचरे को अलग–अलग एकत्रित कर हूपर्स में डालने हेतु समझाईष की गई साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने, कचरे को सार्वजनिक सडकों पर नहीं फेंकने तथा दुकानों एवं थडी ठेले वाले व्यवसायियों को डस्टबिन का उपयोग करने के लिए भी रैली के माध्यम से समझाईश की गई।

वुमेन क्लब अजमेर द्वारा चिकित्सा शिविर का आयोजन

परिष्कार पत्रिका। वुमन क्लब अजमेर के तत्वाधान में महिलाओं के लिए चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जहां फिजियोथैरेपिस्ट जनरल फिजिशियन महिलाओं की समस्या के लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टर ने शिविर में सहयोग किया। क्लब की संरक्षक पूर्वी अग्रवाल ने बताया कि इस शिविर में आज 150 से अधिक महिलाओं ने डॉक्टर को अपनी समस्याएं दिखाई और डॉक्टर द्वारा उचित परामर्श देते हुए दवा वितरित की साथ ही फिजियोथैरेपिस्ट डॉक्टर ने महिलाओं की समस्याओं को एक्सरसाइज के माध्यम से ठीक करने के तरीके बताए और निवारण किया। शिविर की मुख्य अतिथि पार्षद प्रियंका सांखला ने कहा कि वुमन क्लब का यह प्रयास सराहनीय है जहां महिलाओं द्वारा महिलाओं के लिए शिविर लगाया गया है। चिकित्सा शिविर की इंचार्ज सोनिया जैन ने बताया कि क्लब द्वारा हर वर्ष इस प्रकार के चिकित्सा शिविर लगाए जाएंगे जिसकी शुरुआत इस शिविर के माध्यम से की गई। शिविर की सह प्रभारी जूली बंसल ने बताया कि इस शिविर में डॉ प्रिया सुराणा, डॉ प्रियंका विल्सन, दीप्ति भार्गव, जयश्री कोडवानी और डॉ साक्षी बुलचंदानी का सहयोग रहा। सह प्रभारी कविता टकसाली ने बताया कि इस शिविर में इलाज के साथ साथ पीसीओडी पर एक विशेष सत्र रखा गया जहां रीतू अग्रवाल ने महिलाओं को पीसीओडी की समस्या और बचाव, और दिनचर्या में परिवर्तन कर इलाज के उपाय बताए। इस शि. विर में क्लब की रीना जैन, अंजू कंवर, रचना गोयल, मोना. सिंह, रचना दोसी, विनीता गोयल, संगीतागर्ग, पुष्पा मोदी, रचनाखींची, संगीता सिंघल, प्रियंका गोयल उपस्थित रही।

जोधपुर के रामअवतार खर्रा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से मिला

धानका समाज का बोर्ड गठन करने और विधानसभा में टिकट की मांग की

परिष्कार पत्रिका जयपुर। धानका समाज बोर्ड गठन की प्रमुख मांग, समाज के नाम से छात्रावास की जमीन देने की मांग और आने वाले विधानसभा चुनावों में धानका समाज को टिकट देने की मांग को लेकर जोधपुर के वरीष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी रामअवतार खर्रा के नेतृत्व में 15 सदस्यी प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से मिला और अपनी बात रखी। इस अवसर पर रामअवतार खर्रा से मुख्यमंत्री को बताया कि धानका समाज को लंबे समय से अनदेखा किया जा रहा है जिससे समाज विकास की राह में पिछड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि धानका समाज के विकास के लिए धानका समाज आदिवासी विकास बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए ताकि समाज विकास की राह में अपना कदम बढ़ा सके और आने वाले विधानसभा चुनावों में धानका समाज को भी प्रतिनिधित्व दिया जाना चाहिए जिससे समाज के विकास को गति मिले। उन्होंने बताया धानका समुदाय के लोग लम्बे समय से कांग्रेस के समर्थन में रहे हैं। ऐसे में अभी तक उनके पास न तो छात्रावास है और न बोर्ड। इसलिए हमारे समाज के विकास के लिए हमारी प्रमुख तीन मांगो पर गौर करते हुए जल्द से जल्द पूरी की जाए। इस अवसर पर परिष्कार पत्रिका से श्रवण सिंह किरार, रविसिंह किरार एवं शुभम खरे, बाबूलाल डाबी, प्यारेलाल फरण्ड, रामपाल मावर सहित समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विराट नगर में दौड़ का आयोजन

परिष्कार पत्रिका जयपुर। विराट नगर गणेशजी रोड सीताराम नगर जयपुर राजस्थान में भागता भारत साप्ताहिक दौड़ का आयोजन हुआ प्रवीण 100 मीटर प्रथम सुनील सैनी दूसरे स्थान पर नवीन प्रजापत तीसरे स्थान पर बालिकाओं में निशा सैनी प्रथम 100 मीटर शिवानी दूसरे स्थान पर तीसरे स्थान पर अर्चना प्रजापति रही दौड़ प्रतियोगिता का शुभारंभ विराट नगर से मुन्नालाल माथुर सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा किया गया आदरणीय गुरुजी रतन कुमावत विशिष्ट अतिथि रहे भागता भारत संस्था की ओर से विजेताओं को मेडल टी–शर्ट घड़ी इत्यादि पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। दौड़ का नेतृत्व भागता भारत टीम विराटनगर के प्रशांत सैनी ने उनकी टीम गौरव धानका बबलू वर्मा घनश्याम देवली विक्की आलोक वर्मा इत्यादि द्वारा किया गया। भागता भारत संस्था कई वर्षों से लगातार युवाओं में खेल के प्रति भावना को जागरुक करने का निरंतर प्रयास कर रही है आज का युवा नशीले पदार्थों की तरफ ना जाए तथा अन्य आपराधिक गति. विधियों में शामिल न हो संस्था द्वारा बच्चों में खेल की भावना को जागृत करने का निरंतर लगातार प्रयास किया जा रहा है जयसिंह धानका पूर्व सैनिक ने विज. ताओं और आए हुए वरिष्ठ नागरिक जन व आए हुए मेहमान अतिथियों का आभार प्रकट कर धन्यवाद व्यक्त किया।

लॉस्ट फाउंडेशन पर्सन और नारी निकेतन के प्रयासों से फरजाना मिली अपनों से

13 साल बाद हुआ बिछुडे हुए परिवार से मिलन

परिष्कार पत्रिका जयपुर। बिछुड़े हुए लापता व्यक्तियों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए प्रयासरत लॉस्ट फाउंडेशन पर्सन अभियान और नारी निकेतन, अजमेर के प्रयासों से उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले से 13 वर्ष पूर्व लापता हुई महिला अपने परिवार से मिल पाई है। फरजाना नामक यह महिला मूलतः उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के छोटे से गांव त्रिलोकावाला की रहने वाली है, कमजोर मानसिक स्थिति के कारण सन् 2010 में अपने परिवार से बिछुड़ गई थी। लावारिस भटकते हुए यह महिला किसी प्रकार से राजस्थान के नागौर में पहुँच गई, जहाँ से पुलिस ने इसे सन् 2010 में नारी निकेतन,अजमेर में आवासित करवाया गया। तब से यह महिला नारी निकेतन में ही आवासित थी। नारी निकेतन ने भी महिला के परिवार की तलाश हेतु काफी प्रयास किये गये। इसी कड़ी में लॉस्ट फाउंड पर्सन के संस्थापक राहुल शर्मा और उनके सहयोगी सुरेश परमार ने नारी निकेतन की अधीक्षक पिंकी गोडवाल और उनके स्टाफ के सहयोग से फरजाना की गहन काउंसिलिंग की गई और काउंसिलिंग से प्राप्त आधी–अधूरी जानकारियों के आधार पर कड़ी–से–कड़ी जोड़ते हुए फरजाना के परिवार की तलाश प्रारंभ की गई। लगातार प्रयासों के बाद अंततः उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले की नगीना विधानसभा के विधायक मनोज पारस के विशेष सहयोग से यह तलाश बिजनौर जिले में जाकर पूरी हुई। इस जिले के त्रिलोक. वाला गाँव में महिला का ससुराल और पाडली गाँव में मायका मिल गया। सन् 2010 में फरजाना के लापता होने के बाद परिवारजनों ने उसे तलाशने के काफी प्रयास किये गये, परन्तु उन्हें फरजाना नहीं मिली। इन 13 वर्षों में वे तो फरजाना के मिलने की उम्मीद ही छोड़ बैठे थे, लेकिन 13 सालों बाद फरजाना के सकुशल होने की सूचना मिलते ही ससुराल और मायका दोनों ही परिवारों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और वे फरजाना से मिलने के लिए बेचैन हो उठे। इसके बाद परिवारजनों की फरजाना से बात करवाई गई। परिवारजन के दस्तावेजों के सत्यापन, पुलिस सत्यापन एवं अन्य निर्धारित प्रक्रियाओं पूर्ण होने के बाद सोमवार को परिवा. जन लगभग 12 घंटे का रास्ता तय करके नारी निक. तन, अजमेर पहुँचे और औपचारिकताओं की पूर्ति उपरान्त फरजाना को परिवार के सुपुर्द किया गया। 13 सालों बाद एक दूसरे को आमने–सामने देखते ही माहौल भावुक हो गया। उन खुशी के भावुक पलों में 13 सालों की जुदाई का दर्द साफ झलक रहा था। फरजाना और उनके परिवारजनों ने इस खुशी को लौटाने के लिए लॉस्ट फाउंड पर्सन और नारी निकेतन, अजमेर का बहुत–बहुत धन्यवाद दिया। साथ ही लॉस्ट फाउंड पर्सन के संस्थापक राहुल शर्मा ने भी नगीना (उत्तर प्रदेश) के विधायक मनोज पारस, अपने सहयोगी जयपुर निवासी सुरेश परमार, शक्तिसिंह परमार, संतोष अग्रवाल, नारी निकेतन अजमेर की अधीक्षक पिंकी गोडवाल एवं उनके समस्त स्टाफ सहित लॉस्ट फाउंड पर्सन अभियान के सभी सहयोगियों का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

2 अक्टूबर तक आयोजित होगा सेवा पखवाड़ा

जिले में आयुष्मान भव अभियान का संचालन, आभा आईडी के निर्माण के साथ ही आमजन की एन सीडी स्क्रीनिंग और उपचार

परिष्कार पत्रिका जयपुर। जिले में "आयुष्मान भव अभियान" के अन्तर्गत सेवा पखवाडा मनाया जा रहा है। गत 17 सितम्बर से प्रारंभ हुआ सेवा पखवाड़ा आगामी 02 अक्टूबर 2023 तक आयोजित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. बी. एल. मीणा ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त दिशा निर्देशों की अनुपालना में जिले में "आयुष्मान भव अभियान" के अन्तर्गत सेवा पखवाडा मनाया जा रहा है।

पखवाड़े के दौरान प्रत्येक हैल्थ वेलनेस सेंटर और प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर कैम्प का आयोजन कर आभा आईडी के निर्माण के साथ ही आमजन की एनसीडी स्क्रीनिंग और उपचार किया जा रहा है।

उपमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य) डॉ. सुरेंद्र कुमार गोयल ने बताया कि यह अभियान विभिन्न महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरुकता बढाने के लिये एक व्यापक पहल है। इसके अन्तर्गत आयुष्मान भारत पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड का वितरण, साप्ताहिक हैल्थ मेला, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य केल्याण केन्द्र व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्तर पर स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं एवं योजनाओं के बारे में जागरुकता बढाने संबंधित गतिविधियां आयोजित की जा रही है। आगामी 02 अक्टूबर को एनसीडी बीमा. रियों से बचाव एवं जागरूकता बढ़ाने हेतु ग्राम तथा वार्ड स्तर पर बनी हुई विभिन्न कमेटियों की बैठक आयोजित की जाएगी।

पाराशर विद्यालय में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन

परिष्कार पत्रिका जयपुर। मेरा अधिकार संस्था की ओर से पाराशर चिल्ड्रन पैराडाईस पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल पार्क व्यू कॉलोनी एनबीसी स्टाफ क्वार्टर के पीछे जयपुर में दान महादान सामान्य ज्ञान लिखित प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कक्षा 5 से 12वीं तक 200 छात्र छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। जिसमें बच्चों ने खूब मेहनत की एवं अच्छा प्रदर्शन किया। विद्यालय के निदेशक रामलाल पाराशर ने सभी बच्चों को विद्यालय परिसर में समय–समय पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभा कर अपने कौशल व प्रतिभा को निकालने का प्रयास करना चाहिए। जिससे बच्चों को अपनी प्रतिभा निखारने व प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा। इस अवसर पर समाजसेवी सुनील जैन ने सर्वश्रेष्ठ विजेता अंकित राय को मोमेन्टो पहला स्थान रजवीर चाहिला, अभय प्रताप, तन्नु मावर, दुसरा स्थान दिशा पाराशर, भावना राजपाल, जुल्फा बानो,तीसरा स्थान कनिष्का शेखावत, बुधन शर्मा, क्रष्णा पाल, को मेट्रो की सैर एवं सिटी पार्क दिखाने ले जाया गया, ताकि वह जयपुर के पर्यटन स्थल के बारे में जाना प्रधानाचार्य सुधर सिंह इंचार्ज नवीन वर्मा ने सम्बोधित किया कि बड़े परिश्रम से ही सफलता के मुकाम को हासिल किया जा सकता है। इन्सान बनने व बनाने का केंद्र शिक्षण संस्थान से ही होता है बच्चों को राष्ट प्रेम के प्रति जागरुक करते हुये माता–पिता गुरु का सम्मान करना सिखाना भी बहुत जरुरी है समाजसेवी सुनील जैन ने बच्चो को स्वछता के प्रति जागरुक किया।

ऋतुरानी को भामाशाह प्रेरित सम्मान से सम्मानित

परिष्कार पत्रिका जयपुर। भामाशाह प्रेरित सम्मान से सम्मानित ऋतु रानी शर्मा जिन्होंने स्वयम फाउंडेशन सी स्कीम जयपुर को प्रेरित कर राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय सेक्टर 26 प्रताप नगर जयपुर में भवन निर्माण का कार्य करवाया। इसमें इसमें कक्षा कक्षों का निर्माण, कंप्यूटर लैब की स्थापना और विद्यार्थियों और स्टाफ के लिए अलग–अलग टॉयलेट बनवाए गए। जिसकी कुल लागत 83 लाख से अधिक है, साथ ही स्वयं के विद्यालय में लगभग 2,00,000 का 3 किलो वाट का सोलर पैनल लगवाया गया दानदाताओं द्वारा विद्यालयों में कार्य करवाने

के लिए भामाशाहों को प्रेरित करने पर शिक्षा विभाग राजस्थान सरकार ने ऋतुरानी शर्मा प्रधानाध्यापक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय टीया श्योपुर को भामाशाह प्रेरक सम्मान से 11 सितंबर 2023 को सम्मानित किया।

जीवन में शिक्षा का महत्व क्विज का आयोजन

परिष्कार पत्रिका जयपुर। जीवन में शिक्षा का महत्व क्विज मेरा अधिकार संस्था की ओर से सेंट साईनाथ एकेडमी एवं देव ऋषि पब्लिश सीनियर सेकेंडरी स्कूल नांगल जैसा बोहरा जयपुर में जीवन में शिक्षा का महत्व जनरल नॉलेज प्रश्न पत्रिका कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संयोजक सुनील जैन बच्चों से राजस्थान पर्यटन स्थल आदि के बारे में प्रश्न

पूछे और उन्हें सही जवाब देने पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विद्यालय डायरेक्टर एसके गुप्ता ने कहा कि ऐसी कार्यक्रम समय–समय पर होना चाहिए ताकि बच्चों का मनोबल बड़े और ऊर्जा का संचार भी होता है।

दैनिक व्यवहार में सुधार से निखरता है व्यक्तित्व : जैन

परिष्कार पत्रिका। जैन विश्व भारती संस्थान के आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय में एक दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर के साथ ओरिएंटेशन प्रोग्राम रखा गया। शिविर में मुख्य अतिथि कुल सचिव प्रो. बनवारी लाल जैन ने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को एक सिक्के के दो पहलू बताते हुए दिनचर्या को व्यवस्थित बनाने पर जोर दिया। उन्होंने व्यवहार में परिलक्षित गुणों से व्यक्तित्व का वास्तविक आकलन मानते हुए यथार्थ के बारे में बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि किसी भी व्यक्ति के जीवन में नियमितता उसकी दैनिकचर्या को व्यवस्थित करती है और व्यवस्थित दैनिकचर्या से व्यक्ति चारित्रिक शुद्धता एवं विनम्रता को धारण करने में समर्थ हो सकता है। उन्होंने चिंतन एवं चरित्र को व्यक्तित्व का आंतरिक घटक मानते हुए दैनिक व्यवहार को व्यक्तित्व का बाह्य घटक बताया। उनके संतुलन को ही एक आदर्श जीवन बताया। विशिष्ट अतिथि प्रो. रेखा तिवारी ने छात्राओं को सद्चरित्र का महत्व बताया और कहा कि अच्छे कर्मों

की शुरुआत कभी भी की जा सकती है। उन्होंने प्रसन्नचित मन को सफलता की आधी संभावनाएं बताई। शिविर में नवागंतुक छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। छात्रा नेहा तथा मनीषा ने राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत किया। सुनीता काजला एवं टिवंकल भंसाली ने कविता पाठ किया। भूमिका सेठी, प्रिया जैन तथा आईना ने विचार प्रस्तुत किये। शिविर में डॉ. विनोद कस्वा द्वारा चरित्र निर्माण में प्रेक्षाध्यान की भूमिका का व्यावहारिक पक्ष बताया और अभ्यास करवाया। प्रारम्भ में वरिष्ठ छात्राओं मीनाक्षी भंसाली व कांता सोनीने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का मंच संचालन संचालन शि. विर समन्वयक डॉ. प्रगति भटनागर ने किया।

स्वच्छता पखवाड़े के तहत एनएसएस के स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

परिष्कार पत्रिका। जैन विश्वभारती संस्थान में चल रहे स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाई के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने संस्थान परिसर तथा गोपालपुरा रोड पर श्रमदान किया। इसी प्रकार स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाओं ने छठी पट्टी के पास भी झाड़ू लगाकर तथा अवरुद्ध नालियों को साफ करके साफ – सफाई रखने का संदेश समाज में प्रसारित किया। 15 सितम्बर तक चलने वाले इस पखवाड़े में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक तथा इकाई द्वितीय प्रभारी डॉ. बलबीर सिंह के निर्देशन में समाज में स्वच्छता बनाए रखने का संदेश देने के साथ सार्वजनिक सफाई में सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है।

शिक्षा जगत में बेहतर काम के लिए एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मान

परिष्कार पत्रिका जयपुर। राजधानी जयपुर में टीवी मीडिया ग्रुप जयपुर प्लस के तत्वावधान में आयोजित एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड 2023 का आयोजन किया गया। समारोह मानसरोवर के तक्षशिला आडिटोरियम में आयोजित किया गया. कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़े शिक्षक, वरिष्ठ जन और पत्रकारों का सम्मान किया गया। राजस्थान के शिक्षा जगत में नामचीन शिक्षकों को सम्मान से नवाजा गया। इस दौरान कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता एच सी गणेशिया, रावत एजुकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष बी एस रावत महेंद्रा पावर रोल से गौरव समाजसेवी राजकवर राठौड़, समाज सेवक रामगोपाल बलौदा, तंवर इंडस्ट्री के जी एम राकेश वर्मा, सहारा मसाला उद्योग से केसर सिंह राठौड़, स्कल्पचर पंकज भार्गव, रावत एजुकेशनल ग्रुप के डायरेक्टर नरेंद्र सिंह

रावत मधुसूदन दाधीच, सालासर आर एन स्कूल से आए डॉक्टर लादू सिंह राव, एन के ज्वैलर्स से पुनरउत्थान सोनी, अतिथि रहे।

कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र सजवान ने बताया कि राजस्थान प्रदेश शिक्षा जगत में बेहतर काम और बेहतर शिक्षा देने वालों को सम्मान से नवाजा गया है, ताकि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में और आगे बढे और शिक्षा जगत को बढावा मिले, समारोह में 120 अवार्ड दिए गए, जिसमें शिक्षक, शिक्षण संस्थान के डायरेक्टर और वरिष्ठ पत्रकार शामिल रहे। कार्यक्रम के प्रायोजक तंवर इंडस्ट्रीज, महिंद्रा पावर रोल, श्रीनिदान हॉस्पिटल, क्रेटायर, सहारा मसाला उद्योग, रावत एजुकेशनल ग्रुप, आईपीएस बिजनेस कॉलेज, एन के ज्वैलर्स, बीएसएन ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन, स्मार्ट एंड शाइनी, स्कल्पचर पंकज भार्गव, विनायक डेरी सीकर, सभी के सहयोग से कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। संयोजक सुरेंद्र सजवान ने अतिथियों को बुके देकर स्वागत किया।

गौवंश की उपयोगिता स्थापित कर देने से बचेगी गाय : डॉ निरंजन

परिष्कार पत्रिका जयपुर। विश्व की सबसे बड़ी गौशाला श्रीगोधाम महातीर्थ पथमेड़ा लोक पुण्यार्थ न्याय के संस्थापक गौ ऋषि स्वामी दत्त शरणानंद महाराज के पवन सानिध्य में नरसिंह सेवा सदन पीतमपुरा में राष्ट्रीय पंचगव्य–आयुर्वेद चिकित्सा सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार में विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआर एएस), भारत सरकार (नई दिल्ली) के महानिदेशक डॉ. आर. एन. आचार्य ने संबोधित करते हुए कहा कि पंचगव्य आयुर्वेद का सार है। पंचगव्य से सभी रोगों का इलाज संभव है। विश्व की सबसे बड़ी जरूरत है पंचगव्य। एंटीबायोटिक्स ने शरीर पर काम करना बंद कर दिया है जहां पहले एक गोली दी जाती थी। एक साथ तीन तीन देनी पड़ती हैं। इस राष्ट्रीय सेमिनार को डॉक्टर मुनुभाई गौड़, निदेशक सीबीपी आयुर्वेद चरक संस्थान दिल्ली सरकार, पंचगव्य विद्यापीठम कांची पुरम के संस्थापक डॉ निरंजन वर्मा, विश्व आयुर्वेद परिषद के राष्ट्रीय महासचिव डॉ सुरेंद्र चौधरी, सेवा शिक्षण संस्थान हिमाचल प्रदेश के

अध्यक्ष वैद्य राजेशकपूर, वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक एवम विजिटिंग फैकल्टी कैलिफोर्निया आयुर्वेद कॉलेज डॉ अखिलेश शर्मा, सीसीआरएएस नई दिल्ली के अनुसंधान अधिकारी डॉ विनोद लवनिया, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के डॉ प्रशांतगुप्ता एवम डॉ सुभाष साहू सरीखे देश के शीर्ष आयुर्वेद विशेषज्ञ, पंचगव्य चिकित्सा शास्त्री–जो प्रतिष्ठित विश्व. विद्यालयों और संस्थानों से उच्च शिक्षित–प्रशिक्षित हैं, एम.डी., पी–एच.डी हैं ने पंचगव्य मानव जीवन के लिए कितना उपयोगी और कल्याणकारी विषय पर विस्तार से वर्णन किया। सभी वक्ताओं ने कहा कि गोमाता से प्राप्त पंचगव्य मानव कल्याण और स्वास्थ्य में औषधीय गुणों का खजाना है। यह गोमाता का मनुष्य को वरदान है। पंचगव्य देसी गाय से प्राप्त पांच चीजों का सम्मिश्रण है। इसमें गोदुग्ध (दूध), गोदधी (दही–छाछ), गोमेह (गोबर), गोघृत (घी) व गोमूत्र (मूत्र) शामिल हैं। पंचगव्य से विभिन्न प्रकार की जटिल और असाध्य समझे जाने वाली बीमारियों का पूर्ण निदान किया जा सकता है। इसके समुचित उपयोग से शरीर की रोगनिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। गोमूत्र ही पृथ्वी का सर्वोत्तम स्वास्थ्य टॉनिक है जो एन्टी बायोटिक है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाकर शरीर को स्वस्थ रखता है। कैंसर,डेंगू, स्वाइन फ्लू, डायबिटीज और अनेक बीमारियों का समाधान पंचगव्य में निहित है। कृषि में किस तरह से यह उपयोगी है। इन सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर पंचगव्य चिकित्सा और आयुर्वेद के विशेषज्ञ ने चर्चा की। अपनी ज्ञान संपदा, शोध तथा अनुभवों से लाभान्वित किया।

निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच की मांग और वेतन और पेंशन को लेकर

राजस्थान के सभी आगारों सहित सिंधी कैंप बस स्टैंड पर फैडरेशन ने दिया धरना

परिष्कार पत्रिका जयपुर। रोडवेज में कार्यरत भारतीय मजदूर संघ से संबंधित श्रम संगठन राजस्थान परिवहन निगम संयुक्त कर्मचारी फैडरेशन ने निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच करने और वेतन और पेंशन की मांग को लेकर फैडरेशन ने राजस्थान के सभी आगारों सहित जयपुर सिंधी कैंप बस स्टैंड पर विनोद कुमार गुप्ता, प्रदेश अध्यक्ष फैडरेशन के नेतृत्व में एवम विक्रम सिंह, संभागीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में धरना एवम् प्रदर्शन किया।

प्रदेशमहामंत्री सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि वर्तमान में रोडवेज में किये गये स्थानान्तरणों में स्थानान्तरण उद्योग के पनपने से भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं का नंगा खेल उजागर हुआ है। हाल ही में 101 परिचालकों के किये गये स्थानान्तरण में 63 परिचालकों का स्थानान्तरण स्वयं के प्रार्थना पत्र पर एवं 38 परिचालकों का स्थानान्तरण प्रशासनिक आधार पर किये गये है। जबकि निगम में लगभग 400 परिचालकों ने स्वयं के स्थानान्तरण हेतु प्रार्थना पत्र निगम प्रबंधन को दिये है। उनमें से 63 परिचालकों का स्थानान्तरण में चयन का आधार एवं मापदण्ड क्या रहा इसमें भी प्रश्न चिह्न लगा हुआ है।

रिलायंस जियो के कार्यालय में मनाया अग्नि सुरक्षा सप्ताह

परिष्कार पत्रिका जयपुर। रिलाइंस जियो ने सितंबर माह के प्रथम पखवाड़े में सड़क सुरक्षा मनाया। हर वर्ष अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है इसी कड़ी में 14 सितंबर को मानसरोवर जयपुर के रिलाईंस जियो के ऑफिस में अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया गया। कार्यक्रम में हरिओम त्यागी और प्रशांत शर्मा ने सभी कर्मचारियों को

फायर सेफ्टी की ट्रेनिंग दी और पोस्टर लगाकर बैज पहनाए। इस अवसर पर सभी कर्मचारी मौजद थे।

इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में मिलेट्स मेला आयोजित

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने जनचेतना रैली को हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

परिष्कार पत्रिका जयपुर। एफएस एसएआई की तरफ से पूरे देश में मिलेट्स अर्थात मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए मिलेट्स मेलों का आयोजन करवाया जा रहा है। आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण नियंत्रण राजस्थान जयपुर तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर की ओर से दिनांक 21 सितंबर 2023 गुरुवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान जेएलएन मार्ग जयपुर में एक दिवसीय मिलेट मेला आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में प्रातः सवा छह बजे साईकिल रैली निकाली गई। इसके बाद चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा ने जन चेतना रैली को हरी झंडी दिखाकर मिलेट मेले का शुभारंभ किया। मेले के दौरान साईकिल रैली, प्रश्नोत्तरी व पोस्टर

प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया,जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह से भाग लिया।

मुख्य कार्यक्रम समागार में आयोजित हुआ जिसमें आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण शिवप्रकाश मदन नकाते, संयुक्तनिदेशक, जयपुर जोन डॉ. अजय चौधरी, जॉइंट डायरेक्टर ऑफ मिलेट्स लक्ष्मणराम बुरडक, अतिरिक्त आयुक्त, खाद्य सुरक्षा डी पी सैनी, सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार, सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. बी.एल. मीणा सहित जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारी, चिकित्सा विभाग के अधिकारी–कर्मचारी व आमजन उपस्थित रहे।

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन व अतिथि स्वागत के बाद सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. बी.एल. मीणा द्वारा स्वागत संबोधन हुआ। इसके बाद अतिरिक्त आयुक्त, खाद्य सुरक्षा डीपी सैनी ने मिलेट्स फेयर का परिचय दिया।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण शिवप्रकाश मदन नकाते ने अपने संबोधन में दैनिक जीवन मे मिलेट्स की अवधारणा और महत्ता पर प्रकाश डालते हुए अधिकाधिक जन–जागरुकता गतिविधियां और प्रचार–प्रसार किए जाने पर बल दिया। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसान के प्रति आमजन को अधिक से अधिक जानकारी पहुंचाने की बात कही।

संयुक्त निदेशक, जयपुर जोन डॉ. अजय चौधरी ने इस अवसर पर परंपरागत पौष्टिक खाद्यान्न के महत्व को व्याख्यायित करते हुए इससे होने वाले लाभ के विषय मे प्रकाश डाला। उन्होंने वर्तमान में उपयोग किए जा रहे फास्ट फूड के नुकसानों के प्रति आमजन को सावचेत किए जाने और विभिन्न जनजागरूकता माध्यमों द्वारा मिलेट्स अपनाने के लिए प्रेरित किए जाने की बात कही। कार्यक्रम में मिलेट्स, मिलेट्स डाईट, मिलेट्स एंड न्यूट्रीशियन, मिलेट्स एंड आयुर्वेद विषयों पर विद्वज्जनों ने संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत मे सीएमएचओ जयपुर प्रथम डॉ. विजय सिंह फौजदार ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इसके बाद अतिथियों द्वारा मेले का अवलोकन किया गया। इसके साथ ही मेले में मिलेट्स अर्थात मोटे अनाज जैसे ज्वार बाजरा रागी कुट्टू आदि से बनने वाली विभिन्न प्रकार की स्वादिष्ट तथा पोषकरेसिपीज का प्रदर्शन किया गया तथा आम जनता को अधिक से अधिक मोटे अनाज के सेवन हेतु प्रोत्साहित किया गया।

जिले में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान आयोजित

चिकित्सा संस्थानों पर गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की हुई जांच मिला उपचार

परिष्कार पत्रिका जयपुर। जिले में सोमवार को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया गया। चिकित्सा संस्थानों पर उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं को चिन्हित कर उनका उपचार करने के साथ पोषण युक्त आहार की जानकारी प्रदान की गई।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. बी. एल. मीणा ने बताया कि सोमवार, 18 सितंबर को चिकित्सा संस्थानों पर प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के आयोजन में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें गर्भ में पल रहे शिशु और स्वयं की

देखभाल के बारे में बताया गया। साथ ही उन्हें पोषण युक्त आहार के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान गर्भवती महिलाओं के हिमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, शुगर, लंबाई, एचआईवी, सिफलिस आदि जांच की गई। उन्होंने बताया कि गर्भवती महिलाओं को गुणवत्ता युक्त प्रसव पूर्व जांच सुविधाएं देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन प्रतिमाह 09, 18 और 27 तारीख को किया जाता है। अभियान में सभी आवश्यक चिकित्सकीय सुविधाएं निशुल्क प्रदान की जा रही हैं।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक और संपादक रवि सिंह किरार द्वारा एम बी प्रिन्टर्स डिग्गी हाऊस, एफ ७६ करतापुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा 89, संतोष नगर, अजमेर रोड़, जयपुर से प्रकाशित। फोन नं. 141-2450128/ 9314407796 parishkarpatrika@gmail.com
www.parishkarpatrika.page प्रधान संपादक हेमलता किरार तथा सलाहकार श्रवण सिंह किरार, विजय सिंह किरार, प्रचार एवं प्रसार प्रबंधक डी कुमार चित्र, शायर सिंह किरार